भारत समेत सात देशों से मिली 170 से अधिक प्रविष्टियां

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। यूपीईएस स्कूल ऑफ माडर्न मीडिया ने हाल में दूसरे चलचित्र इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का सफल आयोजन किया। चलचित्र के 2023 एडिशन के लिए दुनियाभर से अनेक प्रविष्टियां मिली थीं और इसमें स्मार्टफोन फिल्ममेकिंग तथा डिजिटल कन्टेंट क्रिएशन की ताकत को दर्शाया गया। इस दो दिवसीय फिल्म फेस्टिवल के लिए भारत समेत ओमान, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, नेपाल और कनाडा से मिली 170 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं।

फिल्म फेस्टिवल में डॉक्यूमेंट्रीज और क्रिएटिव नॉन-फिक्शन से लेकर शॉर्ट फिक्शन तथा प्रयोगात्मक फिल्मों को प्रदर्शित किया गया था। इस फेस्टिवल ने डिजिटल फिल्ममेकिंग के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं के लिए भी एक ग्लोबल प्लेटफार्म उपलब्ध कराया। डिजिटल फिल्म इंडस्ट्री की प्रतिभाओं और उनके योगदान को मान्यता देने के साथ-साथ चलचित्र ने अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार भी दिए, जैसे-बैस्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म, बैस्ट शॉर्ट फिक्शन, बैस्ट इन इंडिया (डॉक्यूमेंट्री), बैस्ट इन इंडिया (फिक्शन शॉर्ट फिल्म), बैस्ट इन यूपीईएस, बैस्ट एडिटिंग, बैस्ट स्क्रिप्ट, बैस्ट सिनेमेटोग्राफी आदि। बैस्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म का पुरस्कार उदीयमनान फिल्ममेकर हामिद जलाल अल शाहाब (ओमान) ने जीता जबकि बैस्ट शॉर्ट फिक्शन और बैस्ट इन यूपीईएस का पुरस्कार भारतीय फिल्म निर्माताओं-क्रमशः गौरव पाती तथा आदित्य नेगी को दिया गया। चलचित्र 2023 क्रिएटिव स्टोरीटेलिंग और डिजिटल सिनेमा का उत्सव है जो दुनियाभर के नए और उभरते टैलेंट को एक मंच पर एकजुट करते हुए उदीयमान फिल्म निर्माताओं के लिए अग्रणी आयोजन के तौर पर अपनी साख मजबूत बना रहा है। चलचित्र जैसे आयोजनों के जरिए यूपीईएस स्कूल ऑफ माडर्न मीडिया अपने छात्रों के लिए न्यू-एज मीडिया लिटरेसी की सुविधाएं प्रदान करना जारी रखते हुए उन्हें मीडिया इंडसट्री में कॅरियर बनाने के लिए तैयार कर रहा है। जाने-माने पत्रकारों और मीडिया स्कॉलर्स के साथ इंटरेक्शन और रोजगार के लिहाज से जरूरी ट्रेनिंग प्रदान कर यूपीईएस स्कूल ऑफ माडर्न मीडिया छात्रों को मीडिया की दुनिया में सही मायने में प्रभाव डालने के लिए तैयार करता है।